ALLEN CAREER INSTITUTE KOTA (RAJASTHAN)

MODEL QUESTION PAPER - 01

(Academic Session : 2020 - 2021)

Hindi

TIME : 3 Hr. **M.M. : 80**

सामान्य निर्देश : निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिए :

- इस प्रश्न पत्र में दो खंड 'अ' और 'ब' है। खंड 'अ' में वस्तुपरक तथा खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए है।
- खंड 'अ' में कुल 6 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकलपिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में कुल 8 प्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें कुछ प्रश्नों के वैकल्पिक प्रश्न भी सम्मिलित हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड 'अ'

प्र.1 निम्नलिखित गदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्न मे से सही विकल्प चुनकर लिखिए $1\times1 = 10$

वैदिक युग भारत का प्रायः सबसे अधिक स्वाभाविक काल था। यह कारण है कि आज तक भारत का मन उस काल की ओर बार–बार लोभ से देखता है वैदिक आर्य अपने युग को स्वर्णकाल कहते थे या नहीं, यह हम नहीं जानते ; किंतु उनका समय हमें स्वर्णकाल के समान अवश्य दिखाई देता है। लेकिन जब बौद्ध–युग का आंरभ हुआ, वैदिक समाज की पोल खुलने लगी और चितकों के बीच उसकी आलोचना आरंभ हो गई। बौद्ध–युग अनेक दृष्टियों से आज के आधुनिकता– आंदोलन के समान था। ब्राह्मणो की श्रेष्ठता के विरूद्ध बुद्ध ने विद्रोह का प्रचार किया था, जाति प्रथा के बुद्ध विरोधी थे और मनुष्य को वे जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम मानते थे। नारियों को भिक्षुणी होने का अधिकार देकर उन्होंने यह बताया था। कि मोक्ष केवल पुरूषो के ही निमित्त नहीं है, उसकी अधिकारिणी नारियाँ भी हो सकती है, जो जाति–प्रथा के विरोधी थे, जो मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणा श्रेष्ठ या अधम समझते थे। उनकी प्रेरणा से देश के हजारों– लाखों युवक, जो उत्पादन बढ़ाकर समाज का भरण–पोषण करने के लायक थे, संन्यासी हो गए। संन्यास की संस्था समाज–विरोधिनी संस्था है।

(i) भारत का प्रायः सबसे अधिक स्वाभाविक काल था।

(अ) त्रेता युग (ब) पाषाण युग

(स) वैदिक युग (द) आधुनिक युग

(ii) आज तक भारत का मन किस काल की ओर बार–बार लोभ से देखता है

(अ) त्रेता युग को (ब) पाषाण युग को

(स) वैदिक युग को (द) आधुनिक युग को

(iii) वैदिक आर्य अपने युग को कहते थे

(अ) राम राज्य (ब) स्वर्ण काल

(स) सतयुग (द) रजत काल

(iv) कौनसा युग स्वर्णकाल के समान दिखाई देता है।

(अ) त्रेता युग (ब) पाषाण युग

(स) वैदिकयुग (द) आधुनिक युग

(v) वैदिक समाज की पोल कब खुलने लगी

(अ) जब बौद्ध युग का आंरभ हुआ (ब) जब जैन –युग का आंरभ हुआ

(स) जब –मध्य कालीन युग का आंरभ हुआ (द) जब आधुनिक का आंरभ हुआ

ALLEN

(vi) बौद्ध–युग अनेक दृष्टियों से आज के किस युग के समान था।
(अ) पुनर्जागरण आन्दोलन (ब) मध्यकालीन आन्दोलन
(स) आधुनिक–आंदोलन (द) वर्तमान–आन्दोलन

(vii) ब्राह्माण की श्रेष्ठता के विरुद्ध किसने विद्रोह का प्रचार किया था-
(अ) बुद्ध ने (ब) स्वामी दयानंद सरस्वती ने
(स) महावीर स्वामी ने (द)सभी ने

(viii) निम्नलिखित मे से कौन जाति प्रथा के विरोधी थे-
(अ) बुद्ध (ब) महात्मा गाँधी
(स) ईश्वर चन्द्र विद्यासागर (द) महावीर स्वामी

(ix) निम्नलिखित में से वो कौन थे जो मनुष्य को जन्मना नहीं, कर्मणाश्रेष्ठ या अधम समझते थे–
(अ) ईश्वर चन्द्र विद्यासागर (ब) महात्मा गाँधी
(स) बुद्ध (द) महावीर स्वामी

(x) संन्यास की संस्था को किसके समान बतलाया है है।
(अ) ईश्वर –विरोधिनी संस्था (ब) धर्म –विरोधिनी संस्था
(स) समाज–विरोधिनी संस्था (द) उपर्युक्त सभी

प्र.2 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्न में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। $1\times5 = 5$

निर्भय स्वागत करो मृत्यु का,
मृत्यु एक है विश्राम – स्थल,
जीव जहाँ से फिर चलता है,
धारण कर नव जीवन संबल।
मृत्यु एक सरिता है, जिसमें
श्रम से कातर जीव नहाकर
फिर नूतन धारण करता है।
काया रूपी वस्त्र बहाकर।
सच्चा प्रेम वही है जिसकी –
तृप्ति आत्म – बलि पर हो निर्भर !
त्याग बिना निष्प्राण प्रेम है,
करो प्रेम पर प्राण निछावर।

(i) कवि ने किसका स्वागत करने की बात कही है –
(अ) जीवन का (ब) मृत्यु का
(स) खुशियों का (द) सभी का

(ii) मृत्यु का क्या बतलाया गया है
(अ) शाश्वत सत्य (ब) विश्राम – स्थल
(स) अटल (द) उपर्युक्त सभी

(iii) किसमे नहाकर जीव नूतन धारण करता है।
(अ) मृत्यु रुपी सरिता (ब) श्रम की सरिता में
(स) आँसूंओ की सरिता में (द) सभी में

(iv) सच्चा प्रेम किसे कहा है
(अ) जिसकी –तृप्ति आत्म – बलि पर हो निर्भर !
(ब) जिसकी –तृप्ति आत्म – चेतना पर हो निर्भर
(स) जिसकी –तृप्ति आत्म – सम्मान पर हो निर्भर
(द) उपर्युक्त सभी पर निर्भर हो

(v) त्याग के बिना प्रेम कैसा है
(अ) व्यर्थ (ब) अप्रोजनीय
(स) निष्प्राण (द) उपर्युक्त सभी

प्र.3 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×5 = 5

(i) जब एंकर सूचना के साथ - साथ किसी प्रत्यक्षदर्शी या संबन्धित व्यक्ति का कथन भी दिखलता है, टीवी समाचार का यह रूप कहलाता है -

(अ) ब्रेकिंग न्यूज (ब) फोन दृइन

(स) एंकर विजुअल (द) एंकर बाइट

(ii) जब किसी समाचार का सीधे घटना स्थल से ही प्रसारण किया जाता है, टीवी समाचार का यह रूप कहलाता है।

(अ) ब्रेकिंग न्यूज (ब) फोन–इन

(स) एंकर विजुअल (द) लाइव

(iii) जिस समाचार मे एंकर द्वारा प्रस्तुत सूचनाएँ ,घटना के दृश्य ,बाइट ,ग्राफिक आदि द्वारा सभी सूचनायेँ व्यवस्थित ढंग से दिखाई जाती है टीवी समाचार का यह रूप कहलाता है।

(अ) ब्रेकिंग न्यूज (ब) फोन दृइन

(स) एंकर विजुअल (द) एंकर पैकेज

(iv) भारत की पहली साइट कौनसी है जो इंटरनेट पत्रकारिता कर रही है –

(अ) रीडिफ (ब) फेस बुक

(स) व्हाट्सप (द) इंस्टाग्राम

(v) वेब साइट पर विशुद्ध पत्रकारिता किसने शुरू की–

(अ) तहलका डाट कॉम (ब) फेस बुक

(स) व्हाट्सप (द) इंस्टाग्राम

प्र.4 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। 1×5 = 5

जिंदगी में जो कुछ हैं जो भी है
सही स्वीकारा है।
इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है
वह तुम्हें प्यारा है।
गरबीली गरीबी यह, ये गंभीर अनुभव सब
यह विचार – वैभव सब
दृढता यह, भीतर की सरिता यह अभिनव
सब मौलिक है, मौलिक है
इसलिए कि पल – पल में
जो कुछ भी जाग्रत है अपलक है
संवेदन तुम्हारा है।

(i) जिन्दगी में जो कुछ हैं जो भी है सहर्ष स्वीकारा है ,क्यों ?

(अ) क्योकि उसकी प्रेयसी ने उसे हर स्थिति में स्वीकारा है

(ब) क्योकि उसके पास दूसरा कोई विकल्प नहीं

(स) क्योकि वह भाग्य से लड़ नहीं सकता

(द) उपर्युक्त सभी

(ii) इसलिए कि जो कुछ भी मेरा है, वह तुम्हें प्यारा है। उक्त पंक्ति में तुम्हे किसके लिए प्रयुक्त हुआ है –

(अ) प्रेयसी के लिए (ब) ईश्वर के लिए

(स) मित्र के लिए (द) सभी के लिए

(iii) कवि ने किस को गर्व करने योग्य बतलाया है –

(अ) गरीबी को (ब) दृढ़ता को

(स) अनुभव को (द) उपर्युक्त सभी को

(iv) इसलिए कि पल – पल में जो कुछ भी जाग्रत है, अपलक है, संवेदन तुम्हारा है। उक्त पंक्ति में तुम्हारा किसके किसके लिए प्रयुक्त हुआ है –

(अ) अपनी प्रिय के लिए (ब) पत्नी के लिए

(स) परमात्मा के लिए (द) उपर्युक्त में से किसी के लिए नहीं

(v) कवि ने मौलिक किसे कहा है।

(अ) गरीबी को (ब) दृढ़ता को

(स) अनुभव को (द) उपर्युक्त सभी को

प्र.5 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। $1\times5 = 5$

अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी। निस्तब्धता करूण सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी। आकाश में तारे चमक रहे थे। पृथ्वी पर कही प्रकाश का नाम नही। आकाश से टूटकर यदि कोई भावुक तारा पृथ्वी पर जाना भी चाहता तो उसकी ज्योति और शक्ति रास्तें मे ही शेष हो जाती थी। अन्य तारे उसकी भावुकता अथवा असफलता पर खिलखिलाकर हँस पडतें थें।

सियारों का क्रंदन और पेचक की डरावनी आवाज कभी–कभी निस्तब्धता को अवश्य भंग कर देती थी। गाँव की झोपडियों से कराहने और कै करने की आवाज, 'हरे राम ! हे भगवान ! की टेर अवश्य सुनाई पडती थी। बच्चे भी कभी कभी निर्बल कंठो से 'माँ–माँ पुकारकर रो पडतें थे। पर इससे रात्रि की निस्तब्धता में विशेष बाधा नही पडती थी। कुत्तों में परिस्थिति को ताडने की एक विशेष बृद्धि होती हैं। वे दिन – भर राख के घूरों पर गठरी की तरह सिकुडकर मन मानकर पडें रहते थे। संध्या या गंभीर रात्रि को सब मिलकर रोते थें।

(i) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से लिया गया है –

(अ) भक्तिन (ब) बाजार दर्शन

(स) काले मेघा पानी दे (द) पहलवान की ढोलक

(ii) उक्त गद्यांश के लेखक का नाम क्या है

(अ) महादेवी वर्मा (ब) जैनेद्र

(स) धर्मवीर भारती (द) फणीश्वर नाथ रेणु

(iii) अँधेरी रात चुपचाप आँसू बहा रही थी ,इस कथन से लेखक का क्या आशय है –

(अ) प्रकृति दुखी लोगों के प्रति सहानुभूति प्रकट कर रही थी

(ब) अँधेरी रात में बारिश हो रही थी

(स) अँधेरी रात को सान्तवना देनेवाला कोई नहीं था

(द) उपर्युक्त सभी

(iv) संध्या या गंभीर रात्रि को सब मिलकर रोते थें ,सारे किसके लिए आया है –

(अ) गाँव के सारे कुत्तों के लिए (ब) सारे पेचकों के लिए

(स) सारे सियारों के लिए (द) सभी के लिए

(v) निम्नलिखित में से सिसकियों और आहों को बलपूर्वक अपने हदय में ही दबाने की चेष्टा कर रही थी
(अ) निस्तब्धता (ब) करुणा
(स) भावुकता (द) क्रंदन

प्र.6 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए। $1\times10 = 10$

(i) सभी जन इस जो हुआ से मरते है ,यह कथन है –
(अ) किशन दा का (ब) यशोधर बाबू का
(स) भूषण का (द) चन्द्र दत्त तिवारी का

(ii) यशोधर बाबू गमझा पहनकर बैठक मे आए ,यह बात किसे अच्छी नहीं लगी –
(अ) बेटी को (ब) भूषण को
(स) पत्नी को (द) सभी को

(iii) यह ऊनी ड्रेसिंग गाउन है ,यह मै आपके लिए लाया हूँ ,आप जब सवेरे दूध लेने जाते है तो फटा पुलोवर पहन कर चले जाते है ,जो बहुत बुरा लगता है ,यह सुनकर यशोधर बाबू की आँखें .....
(अ) खुशी से भर गई (ब) नम हो गई
(स) शर्म से झुक गई (द) शर्म से लाल हो गई

(iv) लेखक आनंद यादव के पिता के बारे मे खुले सांड की तरह घूमने की बात किसने कही –
(अ) दत्ता राव सरकार ने (ब) लेखक आनंद यादव की ने
(स) स्वयं लेखन ने (द) किसी अन्य ने

(v) लेखक आनंद यादव के पिता ने लेखक के सामने जो शर्त रखी ,उनमे से कौनसी शर्त शामिल नहीं थी –
(अ) सुबह ग्यारह बजे तक खेत पर काम करना (ब) घंटा भर पशु चरना
(स) काम की अधिकता पर छुट्टी लेना (द) खेलने नहीं जाना

(vi) मुअनदो जड़ो की किन चीजों को देखकर लेखक को राजस्थान के कुलधारा गाँव की याद आई –
(अ) घरों को देखकर (ब) गलियों को देखकर
(स) घरों और गलियों को देखकर (द) महाकुंड को देखकर

(vii) मुअनदो जड़ो की खुदाई मे मिली चीजें कहाँ र खी हुई है
(अ) दिल्ली मे (ब) कराची और लाहौर मे
(स) लंदन मे (द) उपर्युक्त तीनों जगह

(viii) यहूदियों को बाहर निकलने के लिए क्या करना पड़ता था –
(अ) लाल सितारा लगाकर निकलना पड़ता था
(ब) पीला सितारा लगाकर निकलना पड़ता था
(स) हरा सितारा लगाकर निकलना पड़ता था
(द) नीला सितारा लगाकर निकलना पड़ता था

(ix) अज्ञातवास के दौरान यहूदियों की मदद करते थे
(अ) फ्री नीदरलैंड वाले (ब) ब्रिटेनवाले
(स) स्थानीय लोग (द) सभी

(x) युद्ध के बाद युद्ध का वर्णन करनेवाली डायरियों व पत्रों का संग्रह किया जाएगा ,यह घोषणा की थी –
(अ) केबिनेट मंत्री वोतके स्टीन ने (ब) चर्चिल ने
(स) हिटलर ने (द) पोल दे क्रुइफ ने

खण्ड 'ब'

प्र.7 निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 150 शब्दों के लगभग रचनात्मक लेख लिखिए। **5**

(अ) महंगाई (ब) स्वच्छता अभियान

(स) विद्यार्थी जीवन में योग का महत्व (द) बढ़ते शहर–बढ़ता प्रदूषण

प्र.8 विद्यालय में व्याप्त अवव्स्था के अभाव की ओर ध्यानाकर्षण हेतु स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का छात्र मानते हुए प्रधानाचार्य कोम प्रार्थना पत्र लिखिए। 5

प्र.9 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3+2 = 5

(i) नाटक में संवाद लिखते समय किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए ?

(ii) कहानी में वातावरण का भी विशेष ध्यान रखा जाता है, क्यों? स्पष्ट कीजिए।

प्र.10 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 3+2 = 5

(i) समाचार किस प्रकार की शैली में लिखे जाते है?

(ii) आर्थिक पत्रकारिता पर टिप्पणी लिखिए।

प्र.11 निम्नलिखित में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिये। 3+3 = 6

(i) कैमरे में बंद अपाहिज करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है, विचार कीजिए।

(ii) कवि को क्या असहनीय प्रतीत होता है और क्यों ?

(iii) कवि अपने प्रियतम को क्यों भूलना चाहता है ?

प्र.12 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों मे दीजिये 2+2 = 4

(i) नील जल में हिलती झिलमिलाती देह के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?

(ii) लक्ष्मण के मूर्च्छिती होने पर राम क्या सोचने लगे ?

(iii) उषा कविता के आधार पर उस जादू को स्पष्ट कीजिए जो सूर्योदय के साथ टूट जाता है।

प्र.13 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों मे दीजिये 3+3 = 6

(i) लेखक ने किन आधारों पर अर्थ शास्त्र मायावी एंव अनीतिपूर्ण कहा है और क्यों ?

(ii) लुट्टन राज दरबार का पहलवान कैस बन सका ?

(ii) भक्तिन के सुसरालवालों का भक्तिन के प्रति व्यवहार कैसा था?

प्र.14 निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 30-40 शब्दों मे दीजिये 2+2 = 4

(i) इन्दर सेना के सम्बन्ध में लेखक ने क्या बताया है ? इसका दूसरा नाम क्या था ?

(ii) लेखक के मत से 'दासता' की व्यापक परिभाषा क्या है ?

(iii) दो कन्या– रत्न पैदा करने पर भक्तिन पुत्र – महिमा में अंधी अपनी जिठानियों द्वारा घृणा व उपेक्षा का शिकार बनी। ऐसी घटनाओं से ही अकसर यह धारणा है कि स्त्री ही स्त्री की दुश्मन होती है। क्या इससे आप सहमत है ?